सत्र 2026–27 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. भारतीय वाद्य वर्गीकरण का सामान्य अध्ययन।
2. तबला वाद्य की बनावट एवं इसके विभिन्न अंगों का सचित्र वर्णन।

इकाई–2

1. तबला वाद्य के उद्‌भव एवं विकास के संबंध में प्रचलित मान्यताओं का परिचय।
2. तबले के प्रमुख घरानों का संक्षिप्त परिचय।

इकाई–3

1. तबले पर बजाये जाने वाले प्रारंभिक वर्णों के निकास का शास्त्रीय ज्ञान।
2. भातखण्डेताललिपि पद्धति का अध्ययन।

इकाई–4

1. ताल, सम, ताली, खाली, मात्रा, विभाग, लय, तिहाई, आवर्तन, उठान, टुकड़ा, मुखड़ा, का पारिभाषिक ज्ञान।
2. बडा खयाल, छोटा खयाल, मसीतखानी गत एवं रजाखानी गत का सामान्य परिचय।

इकाई–5

1. पखावज, तानपुरा, सारंगी, सितार एवं बाँसुरी वाद्यों का सचित्र वर्णन।
2. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने की विधि का शास्त्रीय अध्ययन।

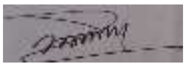 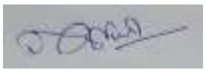 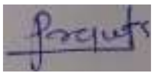

बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र
संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principels of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. ''तिट'' एवं ''तिरकिट'' बोलों पर आधारित त्रिताल के प्रारंभिक कायदों को न्यूनतम चार पल्टों एवं तिहाई सहित भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. त्रिताल में रेला एवं उसके विस्तार को भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना।

इकाई–2

1. तबला वाद्य पर बजाये जाने वाले प्रारंभिक तालों के ठेकों को ठाह एवं दुगुन लय में भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना। (त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा)
2. त्रिताल में न्यूनतम दो–दो मोहरे, मुखडे एवं टुकडे लिपिबद्ध करना।

इकाई–3

1. पखावज वाद्य का सामान्य परिचय एवं सचित्र वर्णन।
2. चौताल, सूलताल, तीव्रा एवं धमार तालों का सामान्य परिचय ठाह एवं उन्हें दुगुन में भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. तिलवाड़ा, आडाचौताल एवं झूमरा तालों का सामान्य परिचय तथा ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. प्रारंभिक तालों के ठेकों (त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा) को तिगुन एवं चौगुन की लयकारी में भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. त्रिताल में पांचवी, सातवीं, नवीं एवं तेरहवी मात्रा से प्रारम्भ होने वाली तिहाईयों को भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. उपशास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों –पश्तो, अद्धा, पंजाबी तथा धुमाली को भातखण्डे काललिपि में लिपिबद्ध करना।

सत्र 2026–27 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration and Viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

1. तबला वाद्य पर हाथ का रखाव एवं हस्त संचालन का अभ्यास।
2. तबले के प्रारंभिक वर्णों (संयुक्त एवं असंयुक्त) के निकास की विधि।
3. प्रारंभिक तालों त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों को हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुन लय में पढना एवं तबले पर बजाना।
4. त्रिताल के ठेके के न्यूनतम चार प्रकारों को हाथ से ताली देकर पढना एवं तबले पर बजाना।
5. त्रिताल में सामान्य तिहाईयों को तबले पर बजाना।
6. तबला वादन से संबंधित प्रारंभिक पारिभाषिक शब्दों सम, मात्रा, ताली, खाली, विभाग, आवर्तन, ताल, ठेका आदि की जानकारी।
7. तबले के प्रारंभिक वर्णों एवं तालों को सुनकर पहचानने की क्षमता।

बी.पी.ए. प्रथम वर्ष
मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

1. त्रिताल के ''तिट'' एवं ''तिरकिट'' बोलों पर आधारित प्रारंभिक कायदों को न्यूनतम चार पल्टे एवं तिहाई सहित बजाना।
2. त्रिताल में ''तिरकिट'' बोल पर आधारित रेला न्यूनतम दो पल्टे एवं तिहाई सहित बजाने का अभ्यास।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. तबला शास्त्र : पं. मधुकर गोडबोले
7. ताल कोष : पं. गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव

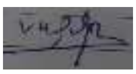
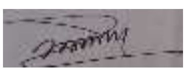
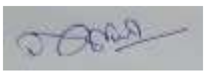
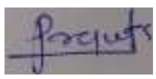

सत्र 2027–28 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
तबला
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

समय : 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. तबला एवं पखावज वाद्यों के ऐतिहासिक विकासक्रम का विस्तृत अध्ययन।
2. वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांतों का विस्तृत अध्ययन। अवनद्ध वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकासक्रम का अध्ययन।

इकाई–2

1. तबला वादन के दिल्ली एवं अजराडा घरानों की वादन शैली का विस्तृत अध्ययन।
2. तबला वादन का लखनऊ एवं फर्रूखाबाद घराने की वादन शैलियों का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर काललिपि पद्धति का परिचय एवं पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर काललिपि पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. संगीत की परम्परागत एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–4

1. तबले के दस प्राणों का सामान्य अध्ययन।
2. तबला एकल वादन का महत्व एवं तबला एकल वादन के क्रम का अध्ययन।

इकाई–5

1. बाज एवं घरानों का सामान्य अध्ययन।
2. निम्नलिखित तबला वादकों की जीवनियाँ।

   उस्ताद मुनीर खाँ, उस्ताद हाजी विलायत अली खाँ, उस्ताद नत्थू खाँ, उस्ताद अहमद जान थिरकवा, उस्ताद हबीबुद्दीन खाँ, उस्ताद शेख दाऊद खाँ, उस्ताद लतीफ अहमद खाँ।

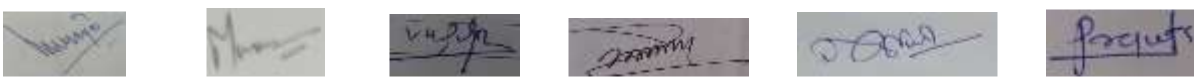

बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
तबला
द्वितीय प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. तिरकिट, घिडनग, किडनग, धिरधिर, क्डान, धेत्धेत् बोल समूहों की निकास विधि का शास्त्रीय अध्ययन।
3. वसंत, रूद्र एवं पंचम सवारी तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारियों में भातखण्डे काललिपि पद्धिति में लिपिबद्ध करना।

इकाई–2

1. झपताल एवं रूपक ताल में एक–एक कायदा, चार पल्टों एवं तिहाई सहित भातखण्डे काललिपि पद्धति में लिपिबद्ध करना।
2. त्रिताल एवं झपताल में एक रेला चार पल्टों एवं तिहाई सहित लिपिबद्ध करना।

इकाई–3

1. कहरवा तथा दादरा में न्यूनतम दो–दो लग्गियाँ लिपिबद्ध करना।
2. त्रिताल, पंचम सवारी, दीपचन्दी, धमार, झूमरा, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक, दादरा, तालों को आड लयकारी में लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. त्रिताल में साधारण, चक्रदार, फरमाईशी चक्रदार एवं कमाली चक्रदार परनों को काललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. झपताल एवं रूपक में न्यूनतम दो–दो मुखडे एवं दो–दो तिहाईयाँ लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. पेशकार का प्रारम्भिक ज्ञान एवं पेशकार को त्रिताल में विस्तार सहित लिपिबद्ध करना।
2. तिहाई एवं इसके प्रकारों का सोदाहरण वर्णन।

सत्र 2027–28 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी. ए. द्वितीय वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration and Viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. पाठ्यक्रम के तालों बसंत, रूद्र एवं पंचम सवारी तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढना तथा तबले पर बजाना।
3. तीव्रा, सूलताल, चौताल एवं धमार तालों के ठेकों को ठाह लय में तबले पर बजाने का अभ्यास।
4. तिट, तिरकिट, तकिट, धिनगिन, घिडनग, किडनग, धिरधिर बोलों का तबले पर निकास।
5. झपताल एवं रूपक में एक–एक कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढना।
6. त्रिताल एवं झपताल में विभिन्न मात्राओं से प्रारंभ होने वाली तिहाईयाँ बजाने का अभ्यास।
7. तबले के दिल्ली एवं अजराडा घरानों की वादन शैली की विशेषताओं का प्रदर्शन करने की योग्यता।
8. झपताल एवं रूपक में पेशकार एवं कायदे का विस्तार सहित वादन।

बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष
मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

1. त्रिताल में एकल वादन–पेशकार, कायदे, रेला, टुकडे एवं चक्रदार सहित।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों में से परीक्षक द्वारा पूछे गये किन्हीं चार तालों के ठेकों की ठाह, दुगुन एवं चौगुन करने की क्षमता।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. तबला शास्त्र : पं. मधुकर गोडबोले
7. ताल कोष : पं. गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव

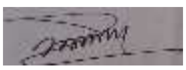 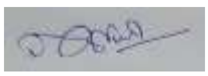 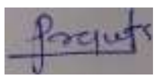

सत्र 2028–29 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
तबला
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. ख्याल, ध्रुपद, धमार, ठुमरी, टप्पा एवं तराना गायन शैलियों का सामान्य ज्ञान तथा इनके साथ बजाये जाने वाले तालों का परिचय।
2. पखावज एवं तबले की वादन पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–2

1. उत्तर भारतीय संगीत में स्वर एवं घन वाद्यों की उपयोगिता एवं महत्व का अध्ययन।
2. तबला वादक के गुण–दोषों का अध्ययन।

इकाई–3

1. तबले के बनारस एवं पंजाब घराने की वादन शैली का अध्ययन।
2. तबला वादन में प्रयुक्त विस्तारशील एवं अविस्तारशील रचनाओं का विस्तृत सोदाहरण विवेचन।

इकाई–4

1. प्राचीन मार्ग ताल पद्धति का सामान्य अध्ययन।
2. शास्त्रीय गायन प्रकारों के साथ तबला संगति का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–5

1. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लेखन।
2. निम्नलिखित वरिष्ठ तबला वादकों का जीवन परिचय।

   लाला भवानीदीन, पं. कंठे महाराज, पं. अनोखेलाल, पं. सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पं. किशन महाराज, उस्ताद अल्लारक्खा खाँ, उस्ताद ज़ाकिर हुसैन।

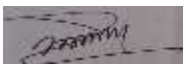
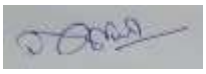
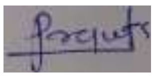

बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
तबला
द्वितीय प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. जय, शिखर एवं मत्त तालों का परिचय तथा इन तालों के ठेके ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना।
2. एकताल एवं आडाचौताल में एक–एक कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहितताललिपि में लिपिबद्ध करना।

इकाई–2

1. उठान, फर्द, गत एवं गत के प्रकारों का सोदाहरण अध्ययन।
2. विषम लयकारियों का परिचय व विभिन्न तालों को उक्त लयकारियों में लिपिबद्ध करना। (पौन गुन 3/4, सवागुन 5/4, डेढगुन 3/2, पौने दो गुन 7/4)

इकाई–3

1. एकताल एवं आडाचौताल में मुखडे, टुकडे एवं तिहाईयों को ताललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. झपताल एवं रूपक तालों में पेशकार को विस्तार सहित लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. तिहाई रचना के सिद्धांतों का अध्ययन।
2. विषम मात्रिक तालों में सम से सम तक तिहाईयाँ लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल में तिहाईयाँ लिपिबद्ध करना।
2. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित करने का अभ्यास।

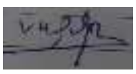 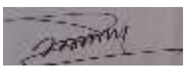 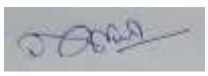 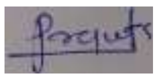

सत्र 2028–29 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक (Demonstration and Viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सहित जय, शिखर एवं मत्त तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
2. बनारस एवं पंजाब घरानों के प्रमुख बोल समूहों एवं रचना प्रकारों का वादन।
3. एकताल एवं आडाचौताल के कायदे को न्यूनतम दो–दो पल्टों एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढ़ना।
4. उप शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों का वादन। (पश्तो, अद्धा, दीपचन्दी, पंजाबी, धुमाली)
5. शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों को अपेक्षित लय (विलंबित/द्रुत) में बजाना।
6. एकताल एवं आडाचौताल तालों में पेशकार, कायदे, रेले, चक्रदार, टुकडे, परन आदि का विस्तार सहित एकल वादन।

बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
मंच प्रदर्शन (Stage Performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष त्रिताल, झपताल अथवा रूपक ताल में से किसी एक ताल में लहरे के साथ एकल वादन।
2. परीक्षक द्वारा पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों में से किन्हीं चार तालों के ठेकों का अपेक्षित लय में वादन।
3. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
2. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
3. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
4. तबला पुराण : पं. विजय शंकर मिश्र
5. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. एम. बी. मराठे
6. ताल वाद्य परिचय : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल

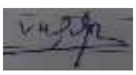
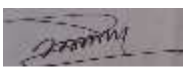
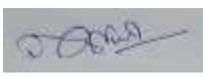
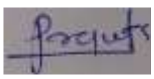

सत्र 2029–30 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. देगी ताल पद्धति का अध्ययन।
2. मार्ग तथा देशी ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।
3. पाकार एवं कायदा के रचना एवं विस्तार सिद्धांत का विवेचन।

इकाई–2

1. 16वी शताब्दी से वर्तमान तक के संगीत की ऐतिहासिक जानकारी।
2. निम्नलिखित ग्रंथकारों का परिचय।
   पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, स्वाति, मतंग, भरत, शारंगदेव, व्यंकटमखी, सवाई प्रताप सिंह।
3. पखावज एवं तंत्र वादन के घरानों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–3

1. नाट्यशास्त्र के आधार पर अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षरों का सामान्य अध्ययन।
2. संगीत संबंधी किसी एक प्राचीन ग्रन्थ का विश्लेषणात्मक अध्ययन। (भरतकृत नाट्य शास्त्र, शारंगदेवकृत संगीत रत्नाकर, नारदकृत संगीत मकरंद, पार्श्वदेवकृत संगीत समयसार)

इकाई–4

1. उत्तर भारतीय अवनद्ध एवं घन वाद्यों का ऐतिहासिक विवेचन।
2. उत्तर भारतीय संगीत में ताल के महत्व का अध्ययन।
3. तबला वाद्य के निर्माण विधि का अध्ययन।

इकाई–5

1. कर्नाटक पद्धति का सामान्य परिचय एवं उत्तर भारतीय ताल पद्धति से तुलनात्मक अध्ययन।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लेखन।
3. निम्नलिखित वरिष्ठ तबला एवं पखावज वादकों का जीवन परिचय :–
   पं. रामशंकर दास पागलदास पं. नाना पानसे, पं. कुदऊ सिंह, उस्ताद गामे खाँ, उस्ताद आफाक हुसैन खाँ, उस्ताद अमीर हुसैन खाँ, पं. निखिल घोष।

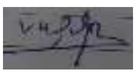 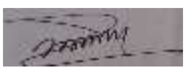 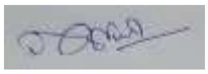 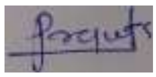

(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला
द्वितीय प्रश्न पत्र
भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principles of Indian Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

इकाई–1

1. विषम मात्रा के तालों का परिचय तथा ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना। (वसंत, रूद्र, मत्त, लक्ष्मी)
2. पंचम सवारी, एकताल, झपताल एवं रूपक तालों में विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशों को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

इकाई–2

1. विषम मात्रिक तालों में विस्तारशील बंदिशों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. विषम मात्रिक तालों के ठेकों को कुआड़, आड़ की लयकारियों में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

इकाई–3

1. 9 एवं 11 मात्रा में अविस्तारशील बंदिशों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल एवं रूपक तालों में कायदा एवं पेशकार लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. दादरा एवं कहरवा तालों में लग्गियाँ लिपिबद्ध करना।
2. दिये गये बोल समूहों से चौताल एवं सूलताल में तिहाईयाँ बनाकर लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. गत, परन, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली, नौहक्का, रौ की सोदाहरण जानकारी।
2. एकल वादन में प्रयुक्त रचनाओं के क्रम का विस्तृत विवेचन।
3. दिये गये बोलों के आधार पर पाठ्यक्रम के तालों में टुकडे, मुखडे, तिहाईयाँ, परन आदि बनाकर उन्हें लिपिबद्ध करना।

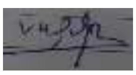
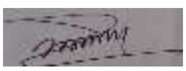
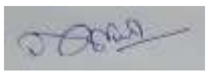
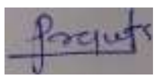

सत्र 2029–30 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration and Viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	80	100	33%

1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सहित विषम मात्रा के तालों को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
2. पखावज के ठेकों को तबले पर पखावज वादन शैली अनुसार बजाना।
3. श्शास्त्रीय, उपश्शास्त्रीय, सुगम संगीत आदि के साथ तबला संगति का अभ्यास।
4. पंचम सवारी ताल में स्वतंत्र वादन। (न्यूनतम 20 मिनिट)

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
तबला वादन की तकनीक
(Technic of Tabla Playing)
मंच प्रदर्शन
(Stage Performance)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष किसी भी ताल में न्यूनतम 15 मिनिट लहरे के साथ स्वतंत्र वादन।
2. त्रिताल, एकताल एवं झपताल का द्रुत लय में वादन।
3. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

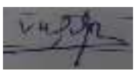
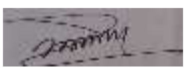
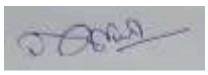
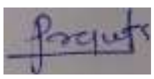

सत्र 2029–30 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
व्याख्यान सह–प्रदर्शन

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
30	70	100	33%

परीक्षार्थी संगीत संबंधी किसी भी विषय (शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत, वाद्य संगीत, फिल्म संगीत आदि) पर आधारित एक परियोजना तैयार कर उसका लेक्चर डेमोस्ट्रेशन पी.पी.टी. अथवा अन्य किसी माध्यम से प्रस्तुत करेंगे।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
7. तबला पुराण : पं. विजय शंकर मिश्र
8. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. एम. बी. मराठे
9. ताल वाद्य परिचय : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल